

मसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 🎞 -- खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 12]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 26, 1971/माघ 6, 1892

No. 12] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 26, 1971/MAGHA 6, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रत्य संकलन के इत्य में रत्या जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th January 1971

No. 31/9/70-Adm. IIIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1971, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Departments:—

- Shri Thakurdas Mulchand Gehani, Customs Inspector (Airport), Customs Department, Bombay.
- 2. Shri Shripad Dattatraya Gazette, Inspector of Customs, Customs Department, Bombay.
- 3. Shri Kalpathi Vasudeva Iyer Vasudevan, Superintendent of Central Excise (Class II), Collectorate of Central Excise, Madras.

- [At present on deputation as Air Customs Inspector, Meenambakkam 'Airport, Madras.]
- Shri Rustom Dhunjishaw Bangalee, Preventive Officer, Grade I (Senior Grade), Customs Department, Bombay.
- 2. These awards are made under clause (a) (ii) of para 1 of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments, published in Part I, Section 1, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad.IIIB dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

विस मंत्रालय

(राजस्व तथा बीमा विभाग)

ग्रधिसचनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1971

सं० 31/9/70-प्रशा—III-दी.—-राष्ट्रपति जी, गणतंत्र दिवस 1971 के प्रवसर पर सीमा-शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के निम्नलिखित प्रधिकारियों में से प्रत्येक की उसकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवाग्रों के लिये यह प्रशंसा प्रमाण-पन्न प्रदान करते हैं:—

- श्री ठाकुरदास मूलचन्द गेहानी, सीमा शुस्क निरीक्षक (हवाई श्रड्डा), सीमा शुस्क विभाग, बम्बई।
- श्री श्रीपद दसावय गोगटे, सीमामुक्क निरीक्षक, सीमामुक्क विभाग, वस्वई ।
- श्री कुलपित वासुदेव अय्यर वासुदेवन्, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रधीक्षक (श्रेणी-।।), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, मद्रास ।

(श्राजकल वायु सीमाशुल्क निरीक्षक के रूप में मीनाम्बाक्कम **हवाई प्रह्ला,** मद्रास में प्रतिनियुक्ति पर)

- श्री रुस्तम धुंजीशा बंगाली, निवारक कार्यं ग्रिक्षकारी, ग्रेड-1 (वरिष्ट ग्रेड), सीमा सुल्क विभाग, बम्बर्ड।
- 2. ये पुरस्कार, सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के श्रधिकारियों और कर्म-चारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी, समय-समय पर यथासंशोधित योजना की कण्डिका 1 के खण्ड (क) (II) के श्रन्तर्गत दिया जाता है, जो भारत के राजपत्त, श्रसाधारण, के भाग 1 खण्ड 1 में श्रधिसूचना संख्या 12/139/59-प्रशा-III-की, दिनांक 5 नवस्वर, 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी।

No. 31/9/70-Adm. HIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1971, to award an Appreciation Certificate for exceptionally meritorious servele rendered when undertaking a task even at the risk of his life to:—

Shri Sukhabhai Jivandas Chauhan, Inspector of Central Excise, Collectorate of Central Excise, Baroda.

Statement of services for which the Certificate is awarded

On 25th January 1969, Shri Chauhan received information regarding secretion of watches in one premises in Badliwadi of Moti-Daman. This area has been terrorised by a notorious smuggler who is known for kidnapping informants and every one in the village is scared of him. Against these odds, Shri Chauhan successfully penetrated into his camp, obtained information and also participated in the raiding party resulting in a seizure of wrist watches and straps worth Rs. 14,62,350. He again penetrated into this camp on 14th June 1969 and secured information resulting in a seizure of wrist watches, yarn, etc., worth Rs. 20,31,480. These acts on his part involved great risk to his life

2. The award is made under clause (a)(i) of para 1 of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments published in Part I, Section 1, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Adm.IIB dated the 5th November, 1962, as amended from time to time and carries with it a monetary allowance at the rate of Rs. 40 p.m. for a period of five years from 25th January 1969 to 24th January 1974.

सं ० 31/9/70-प्रशा-III-बी.--राष्ट्रपति जी, गणतंत्र दिवस 1971 के ग्रवसर पर निम्न-लिखित ग्रधिकारी की, ग्रपने जीवन को भी संकट में डालनेवाला कार्य करते हुए, की गयी ग्रसाधारण प्रशस्त सेवा के लिये यह प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं:---

श्री सुखभाई जीवनवास चौहान, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, बडौदा ।

जिन सेवाओं के लिये प्रमाणपत विया गया उनका विवरण

दिनांक 25 जनवरी 1969 को श्री चौहान को सूचना मिली कि मोतीवमन के बवलीवाडी में एक स्थान पर घड़ियां छिपाई गयी हैं। इस क्षेत्र में एक कुक्यात तस्कर क्यापारी ने ब्रातंक फैला रखा था, जो मुखबिरों का अपहरण करने के सम्बन्ध में बदनाम था और गांव का प्रत्येक व्यक्ति उससे भयभीत था। इन विषम परिस्थितियों में श्री चौहान ने सफलतापूर्वक उसके शिविर में प्रवेश करके सूचना प्राप्त की और छापामार दल में भी भाग लिया, जिसके कारण 14,62,350.00 हपये मूल्य की कलाई चड़ियां और फीते पकड़े गये। उन्होंने 14-6-1969 की उक्त शिविर में पुनः प्रवेश करके सूचना प्राप्त की जिसके कारण 20,31,480.00 हपयें मृत्य की कलाई चड़ियां धागा भ्रादि पकड़े गयें। उन्होंने अपने जीवन को भारी संकट में डालकर ये कार्य किये।

2. यह पुरस्कार, सीमागुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन गुल्क विभागों के प्रधिकारियों भौर कर्म- चारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी, समय समय पर यथा संगोधित, योजना की कण्डिका 1 के खण्ड (क) (i) के प्रन्तर्गत दिया जाता है, जो भारत के राजपत्न, प्रसाधारण के भाग 1 खण्ड 1 में प्रधिसूचना संख्या 12/139/59—प्रणा—III—की विनांक 5 नवम्बर 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी। इस पुरस्कार के साथ, 25-1-1969 से 24-1-1974 तक की पांच वर्ष की प्रवधि के लिये 40.00 रुपये प्रति मास की दर से नक्षद भत्ता देने की व्यवस्था है।

No. 31/9/70-Adm. HIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1971, to award an Appreciation Certificate for exceptionally meritorious service rendered when undertaking a task even at the risk of his life to:—

Shri Manampara Parameswaran Gopinathan, Inspector of Central Excise (Senior Grade), Customs & Central Excise Collectorate, Cochin.

Statement of services for which the Certificate is awarded

Shri Gopinathan, along with another Inspector of Central Excise, Shri M. J. Sonnie, was on sea patrol continuously for nine days driving the departmental vessel himself in the absence of a regular driver. On the midnight of 22nd/23rd April 1970, they sighted a vessel "MS.V. Ratnasagar" carrying contraband, with five member crew on board. The vessel was intercepted by the officers after a gun duel resulting in the selzure of Japanese fabrics and the vessel worth a total value of Rs. 5 lakhs. In this selzure, Shri Gopinathan showed exceptional courage and effected the selzure at great risk to his life.

2. The award is made under clause (a) (i) of para 1 of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments published in Part I, Section 1, of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Adm. IHB dated the 5th November, 1962, as amended from time to time and carries with it a monetary allowance at the rate of Rs. 40 p.m. for a period of five years from 23rd April 1970 to 22nd April 1975.

M. G. ABROL, Jt. Secy

सं • 31/9/70-प्रशा-III-की.--राष्ट्रपति जी, गणतंत्र दिवस 1971 के प्रवसर पर निम्न-लिखित प्रधिकारी की, प्रपने जीवन को भी संकट में डालने वाला कार्य करते हुए की गयी श्रसाधारण प्रमस्त सेवा के लिये यह प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं:--

श्री मनमपरा परमेण्यरन् गोपीनाथन्, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक (वरिष्ठ प्रेड), सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, कोचीन ।

जिल सवाग्री के लिए प्रमाणपत्र विया गया उनका विचरण

केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के एक धन्य निरीक्षक श्री एम० जे० सोनी के साथ श्री गोपीनाथन् लगातार मौ दिन तक समुद्री गश्त पर रहे और नियमित चालक की श्रनुपस्थिति के कारण स्वयं विभागीय जलयान को चलाते रहे। दिनांक 22/23 श्रश्रैल 1970 की मध्यराह्मिको उन्होंने "एम०एस०बी० रत्नसागर" नामक जलयान देखा जिसमें निषद्ध माल ले जाया जा रहा था श्रौर उसमें पांच सदस्यों का कर्मीदल सवार था। बन्द्रकों के द्वन्द्व युद्ध के बाव श्रीधकारियों ने उस जलयान को रोका, जिसके कारण जो जापामी कपड़ा श्रौर जलमान पकड़ा गया उनका कुल मूल्य 5 लाख रुपया था। माल पकड़ने के इस मामले में श्री गोपीनाथन् ने श्रसाधारण साहस दिखाया श्रौर श्रपने जीवन को भारी संकट में डालते हुए उनको पकड़ा।

2. यह पुरस्कार, सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के अधिकारियों भीर कर्मबारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी समय समय पर यथा संशोधित,योजना की कण्डिका 1 के खण्ड (क)
(i) के अन्तर्गत दिया जाता है, जो भारत के राजपत्त, असाधारण के भाग 1 में अधिसूचना संख्या 12/
139/59-प्रशा-III-बी दिनांक 5 नवस्थर 1962 के रूप में प्रकाशित हुई थी। इस पुरस्कार के साथ
23-4-1970 से 22-4-1975 तक की पांच वर्ष की अविधि के लिये 40.00 रुपये प्रति मास
की दर से नकद भत्ता देने की व्यवस्था है।

एम० जी० श्रकोल, संयुक्त सजिच ।-